मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र ने अपने आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत ओखला स्थित SHEOWS केयर सेंटर का दौरा किया आयोजित

नई दिल्ली, 29 सितंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई) ने आज ओखला स्थित SHEOWS केयर सेंटर का दौरा सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और निवासियों के बीच एक आकर्षक और सार्थक बातचीत हुई। यह दौरा सामाजिक समावेशन के दृष्टिकोण से निकटता से जुड़ा था, जिसमें वृद्ध नागरिकों को समाज के ताने-बाने में एकीकृत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। प्रत्यक्ष बातचीत के माध्यम से, छात्रों ने इस बात की गहरी समझ विकसित की कि वृद्धों का समावेश कैसे सामुदायिक जीवन में गरिमा, सम्मान और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है।

श्री शेख मोहम्मद फरहान द्वारा समन्वित और वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. ज्योति रूपा राउत और डॉ. सबा हुसैन के साथ आयोजित इस दौरे ने एम.ए. के छात्रों को जमीनी स्तर पर एनजीओ के काम को देखने और विकास क्षेत्र में संभावित करियर के रास्ते तलाशने का मौका दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक स्वागत और ओरिएंटेशन सत्र से हुई, जहाँ SHEOWS के प्रतिनिधि, श्री संजीत महापात्रा ने एक संस्थागत वीडियो की मदद से, वृद्धों की देखभाल और सहायता के लिए समर्पित केयर सेंटर के मिशन, विजन और पहलों का परिचय दिया। इसके बाद संगठन के अध्यक्ष, डॉ. जी.पी. भगत ने अपने संबोधन में छात्रों को स्वयंसेवकों के रूप में संस्थान में आकर वृद्धों से बात करने और कर्मचारियों का सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री भगत ने इंटर्नशिप के लिए आवेदन आमंत्रित करते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसे अवसरों में रोज़गार में बदलने की क्षमता है।

छात्रों और संकाय सदस्यों को संस्थान का एक निर्देशित दौरा भी कराया गया, जिसके दौरान उन्हें वरिष्ठ नागरिकों और देखभाल करने वालों के साथ अनौपचारिक रूप से बातचीत करने का अवसर मिला, जिससे उन्हें वृद्धावस्था और देखभाल की वास्तविकताओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। छात्रों को केंद्र के विभिन्न भागों, जैसे कि रसोई, छात्रावास, स्वास्थ्य सेवा इकाई और एम्बुलेंस सेवाओं आदि का गहन अवलोकन कराया गया।

एक चिंतन सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों ने अपने अवलोकन साझा किए और SHEOWS टीम के साथ रचनात्मक संवाद किया। इस अवसर पर बोलते हुए, CSSI के प्रतिनिधियों ने छात्रों को सामाजिक समावेशन और बहिष्कार के मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने में इस तरह के अनुभवात्मक शिक्षण दौरों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरे ने न केवल बुजुर्गों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में उनकी समझ को गहरा किया, बल्कि इन चुनौतियों से निपटने में सहानुभूति और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को भी रेखांकित किया।

कार्यक्रम का समापन CSSI प्रतिनिधियों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें केयर सेंटर और उसके कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की गई, और इस दौरे की स्मृति में कर्मचारियों के साथ एक सामूहिक तस्वीर भी ली गई। सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र ऐसी पहलों को जारी रखने के लिए

तत्पर है जो शैक्षणिक शिक्षा को सामाजिक वास्तविकताओं से जोड़ती हैं और युवाओं में समावेशन, करुणा और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देती हैं।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी